

सरकार की योजनाएं विषय पर व्याख्यान सत्र का आयोजन

रांची। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय शाखा रांची ने डा.रक. शंकर रंजन, अनुसंधान विद्वान एवं प्रख्यात संगीतज्ञ द्वारा 14 नवंबर को दोपहर तीन बजे से अकादमिक विंग, आरसीआर में संगीत के क्षेत्र में रोजगार के अवसर एवं इस क्षेत्र को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार की योजनाएं विषय पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन आईजीएनसीए, आरसीआर के क्षेत्रीय निदेशक डा.अजय कुमार मिश्रा की देखरेख और मार्गदर्शन में किया गया। मुख्य वक्ता के साथ हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में झारखंड की एक प्रमुख हस्ती डा. श्यामा प्रसाद नेगी ने सत्र की अध्यक्षता की। दोनों व्यक्तियों का प्रदर्शन कला के क्षेत्र में व्यापक योगदान रहा है। व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य छात्रों और आगामी पीढ़ी के बीच जागरूकता फैलाना था, जो संगीत को एक कैरियर के रूप में बनाने के लिए उत्सुक हैं। साथ ही उन्हें व्याख्यान के दौरान



आय के अवसर पर प्रदान करने के लिए सरकार की भूमिका क्या है उसके बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। स्वागत भाषण डा. मिश्रा ने किया। मुख्य वक्ता डा.रंजन ने कहा कि संगीत के क्षेत्र में रोजगार

और कैरियर के अवसरों को विस्तार से बताया। एक कलाकार के सामने कुछ चुनौतियां होती हैं, जब वह संगीत को एक पेशे के रूप में अपनाने की इच्छा रखता है, और कभी-कभी वे अपने जुनून, अपने पेशे को बनाने के लिए अपने सपने को छोड़ने के लिए बाध्य होते हैं। व्याख्यान के बाद एक अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। अंत में डा.गीता ओझा, समन्वयक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान विभाग, रांची विवि द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जहां उन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को इस उद्यम का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डा.बिनोद कुमार, जनजातीय भाषा विभाग, डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि, अंजनी सिन्हा, सुमैधा सेनगुप्ता, बोलो कुमारी उरांव, अपर्णा झा, विकास कुमार, शिटू लोहरा, आदि विभिन्न छात्र व छात्रा उपस्थित थे।

कलाकारों के सामने कई चुनौतियां : डॉ राकेश रंजन

व्याख्यान

रांची | संवाददाता

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय शाखा रांची की ओर से मोरहाबादी स्थित अकादमिक विंग में गुरुवार को संगीत के क्षेत्र में रोजगार के अवसर एवं इस क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की योजनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ श्यामा प्रसाद नेगी ने सत्र की अध्यक्षता की।

प्रतिष्ठित तबला वादक और शोधकर्ता डॉ राकेश रंजन ने विद्यार्थियों को संगीत के क्षेत्र में रोजगार और करियर के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि एक कलाकार के सामने कुछ चुनौतियां होती हैं, जब वह संगीत को एक पेशे के रूप में अपनाने की इच्छा रखता है। कभी-कभी वह अपने जुनून, अपने पेशे को बनाने के लिए अपने सपने को छोड़ने के लिए बाध्य होता है। डॉ रंजन ने संगीत के दो उप क्षेत्रों शिक्षण और कलाकार के रूप में करियर की संभावनाएं बताईं। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के

खास बातें

- संगीत के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की दी जानकारी
- केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया

बारे में भी बताया, जो कलाकारों को छात्रवृत्ति, फेलोशिप, उत्पादन अनुदान, वेतन अनुदान, सांस्कृतिक समारोह अनुदान आदि प्रदान करता है।

इंदिरा गांधी कला केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि भारतीय संगीत दुनिया में संगीत के सबसे पुराने रूपों में से है, जिसका मूल वेद में निहित है। इस समृद्ध परंपरा को समर्पित गुरुओं और कलाकारों द्वारा पीढ़ी-दर-पीढ़ी पारित किया गया है।

व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। अंत में डॉ गीता ओझा, समन्वयक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर डॉ बिनोद कुमार, अंजनी सिन्हा, सुमेधा सेनगुप्ता, बोलो कुमारी उरांव, अपर्णा झा, विकास कुमार, शिटू लोहरा आदि उपस्थित थे।

संगीत के क्षेत्र में रोजगार के अवसर और कैरियर की संभावना पर व्याख्यान का आयोजन

► कलाकार के समक्ष कई चुनौतियां : डॉ राकेश रंजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र क्षेत्रीय शाखा और रांची विश्वविद्यालय की ओर से अकादमी विंग आरसीआर में संगीत के क्षेत्र में रोजगार के अवसर एवं इस क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी योजनाएं विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें कलाकार, शोधकर्ता और शिक्षक डॉ राकेश रंजन ने संगीत क्षेत्र में रोजगार के अवसर और अर्थ पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र से जुड़े कैरियर और रोजगार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कलाकार के समक्ष कई चुनौतियां



हैं। जब वह संगीत को पेशे के रूप में अपनाना चाहता है तो कई समस्याएं आती हैं। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए कई सपनों को त्यागना पड़ता है। डॉ राकेश रंजन ने बताया कि संगीत न केवल

रचनात्मकता का प्रतीक है लेकिन कला और संस्कृति के विकास का प्रतीक है। उन्होंने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को भी बताया।

कलाकारों को मिलने वाली



छात्रवृत्ति, फेलोशिप, उत्पादन अनुदान, वेतन अनुदान, सांस्कृतिक अनुदान के बारे में विस्तार से बताया। मौके पर डॉ श्यामा प्रसाद नेगी, पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान विभाग की

समन्वयक डॉ गीता ओझा, डॉ अजय कुमार मिश्र, डॉ विनोद कुमार, अंजनी सिन्हा, सुमेधा सेनगुप्ता, बोलो कुमारी उरांव, अपर्णा झा, विकास कुमार, शिट्टू लोहरा सहित अन्य उपस्थित थे।



Lecture held on employment opportunities in Music field

PNS ■ RANCHI

Indira Gandhi National Centre for the Arts, Regional Centre Ranchi organized a lecture session on the topic of 'Employment opportunities in the field of music and Government Schemes to encourage this sector' by Dr. Rakesh Ranjan on Thursday at Academic Wing, IGNCARCR, Department of Archeology, Ranchi University. The programme was organized under the supervision and guidance of Dr. Ajay Kumar Mishra, Regional Director, IGNCARCR.

The speaker, Dr. Ranjan is an author, a reputed Tabla artist, researcher, scholar and teacher. Dr. Shyama Prasad Neogi, a prominent figure of Jharkhand in the field of Hindustani Classical Music, chaired the session. Both the personalities have been extensively contributing to the field of performing arts. The lecture



was organized with the objective to propagate awareness among the upcoming generation, who are appetent to take up Music as a career and encourage them by imparting

the knowledge of Government's role of providing income opportunities for the artists. At the outset, Dr. Mishra welcomed the Chairperson, the Speaker, the respectable guests,

all the participants and media.

In his speech, he mentioned that Indian music is among the oldest forms of music in the world, whose origin is rooted in the 'Vedas'. This rich tradition has been passed on from generation to generation by dedicated Gurus and artists.

Music is not only an epitome of creativity but also a method of tracing the evolution of art and culture. As the culture evolved, music evolved. Hence, special importance may be given to make the young art practitioners aware regarding the discipline's future opportunities, so that the rich Indian culture survives and unfurls.

In the lecture, Dr. Ranjan elaborated regarding the scopes of employment and career opportunities in the field of music.

There are certain challenges that is faced by an artist when he or she aspires to take up music as a profession and sometimes they are bound to give up their dream of making their passion, their profession.

To assist the aspirants to succeed in this profession, Dr. Ranjan categorically described the two sub-fields of Music - Teaching (Guru) and Practicing (artist). Accordingly, the scopes of each sub-fields were illustrated.

Students were also enlightened regarding the various schemes of the Ministry of Culture, Government of India, which provides assistance to the artists including scholarships, fellowships, production grant, salary grant, cultural function grant etc.

An interaction session was conducted after the lecture, in which the students participated with great enthusiasm. Their response reflected the keep interest of the participants to further explore this field and its employment opportunities.

The programme concluded with the vote of thanks by Dr. Geeta Ojha, Coordinator (Department of Archaeology and Museology), RCR where he thanked all guests and participants for being a part of this venture.

PIONEER RANCHI -15-11-2019